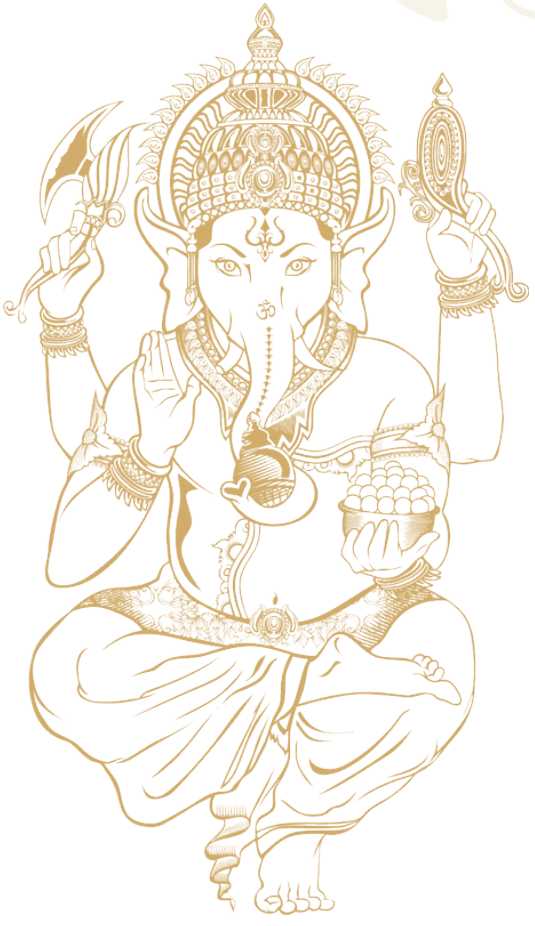

Manish vyash

Pooja Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121163109

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18-19/05/1994	जन्म तिथि	03/03/1997
बुध-गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 03:45:00	जन्म समय	07:57:00 घंटे
घटी 55:15:52	जन्म समय(घटी)	02:39:24 घटी
India	देश	India
Churu	स्थान	Surat
28:18:00 उत्तर	अक्षांश	21:10:00 उत्तर
75:00:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:00	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:39	सूर्योदय	06:57:57
19:15:08	सूर्यास्त	18:43:34
23:46:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 2वर्ष 3मा 26दि		27:26:18	मीन	लग्न	मीन	06:49:39	बुध 3वर्ष 2मा 18दि	
चन्द्र		03:57:00	वृष	सूर्य	कुंभ	18:44:03	शुक्र	
13/09/2022		08:54:40	सिंह	चंद्र	वृश्चि	27:28:34	22/05/2007	
13/09/2032		02:26:28	मेष	मंगल व	कन्या	08:06:22	22/05/2027	
चन्द्र	15/07/2023	23:01:53	वृष	बुध	कुंभ	11:21:45	शुक्र	20/09/2010
मंगल	13/02/2024	13:43:29	तुला व	गुरु	मक	15:26:29	सूर्य	21/09/2011
राहु	13/08/2025	03:39:21	मिथु	शुक्र	कुंभ	11:05:49	चन्द्र	21/05/2013
गुरु	13/12/2026	17:36:52	कुंभ	शनि	मीन	13:00:30	मंगल	22/07/2014
शनि	14/07/2028	00:00:13	वृश्चि	राहु व	कन्या	05:00:54	राहु	21/07/2017
बुध	13/12/2029	00:00:13	वृष	केतु व	मीन	05:00:54	गुरु	21/03/2020
केतु	14/07/2030	02:25:42	मक व	हर्ष	मक	12:54:16	शनि	22/05/2023
शुक्र	14/03/2032	29:25:19	धनु व	नेप	मक	05:11:53	बुध	22/03/2026
सूर्य	13/09/2032	02:52:53	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:46:34	केतु	22/05/2027

लग्न-चलित

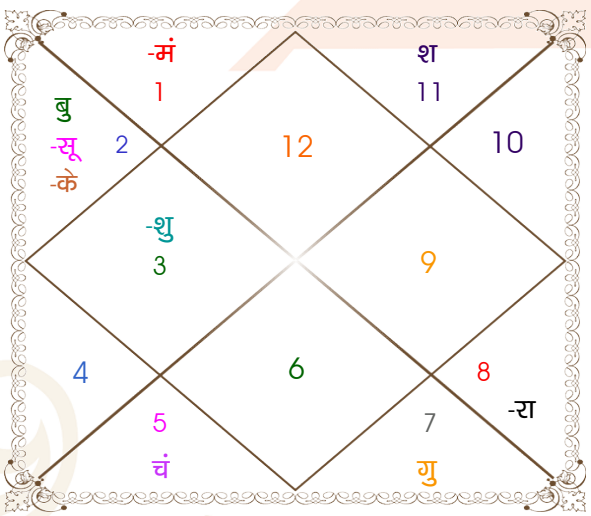

लग्न-चलित

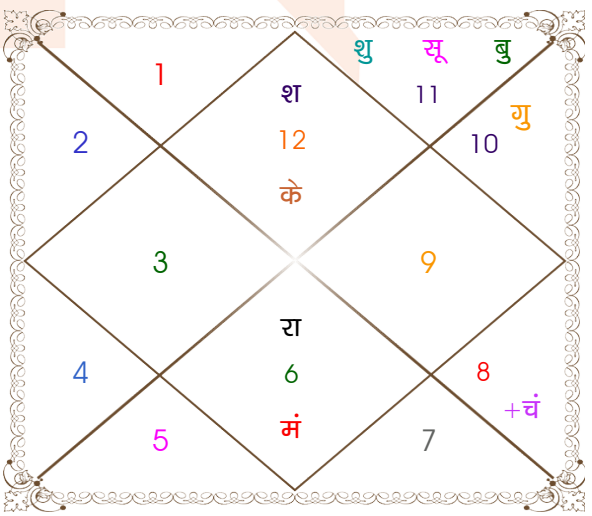

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

डंदपी अर्ली का वर्ग मूषक है तथा च्चवरें ींतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंदपी अर्ली और च्चवरें ींतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डंदपी अर्ली मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

च्चवरें ींतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु च्चवरें ींतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि च्चवरें ींतउं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डंदपी अलौं तथा च्वदरौंतिउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।